UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY.
HALDWANI, NAINITAL

The report should be sent (in the sealed envelope) to the Exam Controller, Uttarakhand Open University, Teen pani Bypass Road, Haldwani (Nainital) -263139.

UOU/Research/Education /2024/01 DATE: 25/04/2024

PROFORMA FOR THE WRITING Ph. D. THESIS REPORT

1- Name of the Candidate **Neeraj Kandpal** , Registration No. 13041017".
2- Subject: **Education**
3- Name of the Doctorate Degree: Ph. D.
4- Title of thesis : topic **"उत्तराखण्ड राज्य के कुमॉउ मंडल के सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों का ज्ञान, शिक्षण अभिवृत्ति तथा संसाधनों का तुलनात्मक अध्ययन "**
5. Name of the examiner with full postal address **Prof. Manoj Kumar Saxena, Dept. & Head , Dept. of Education Central University of Himachal Pradesh, Mobill No. 9805015599**

Note – Under the ordinance relating to Doctorate Degree a thesis shall comply with the following conditions and the examiners are requested that in case they approve of a thesis for the degree, is should be definitely mentioned in the report that the thesis complies with these requirements.

(a) It must be a piece of research work characterized either by the discovery of facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts or theories. In either case it should evince the candidate's capacity for critical examination and sound judgment.

(b) It shall be satisfactory in point of language and presentation of subject matter. The examiners will also indicate whether the thesis is suitable for publication in its present form with or without amendments.

IMPORTANT

The Examiner is requested to recommend definitely weather.

✓ (a) The candidate is admitted to the degree.

Or

✗ (b) The candidate should improve and resubmit the thesis.

Or

✗ (c) The thesis should be rejected.

REPORT

Dated 19.05.2024 ....

[signature] 19.05.2024
(Signature of the Examiner)

Please see the attached detailed evaluation report.

(If necessary blank sheets may be added to complete the report)

[signature]

परीक्षक की पी.एचडी. मूल्यांकन रिपोर्ट

.ार्थी का नाम : श्री नीरज कांडपाल

विषय : शिक्षाशास्त्र

शोध प्रबंध का शीर्षक : उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ मंडल के सरकारी एवं गैरसरकारी प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों का ज्ञान, शिक्षक अभिवृत्ति तथा संसाधनों का तुलनात्मक अध्ययन

शोध निर्देशक का नाम : डॉ. डिगर सिंह फर्स्वाण
सह-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखण्ड

अध्यायीकरण तथा इनकी क्रमबद्धता

प्रस्तुत शोध प्रबंध का संकलन पांच अध्यायों में किया गया है। प्रथम अध्याय का शीर्षक प्रस्तावना को रखा है। इस अध्याय में समावेशी शिक्षा का अर्थ, महत्व, सिद्धांत एवं समावेशी शिक्षा में शिक्षक की भूमिका का वर्णन किया गया है। इसके साथ-साथ प्रथम अध्याय में समावेशी शिक्षा की प्रमुख समस्याएं, समावेशी शिक्षा के मुख्य उद्देश्य, शोध अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व, शोध समस्या का सैद्धांतिक महत्व और व्यावहारिक महत्व, शोध उद्देश्य एवं परिकल्पनाएं जैसे मुख्य बिन्दुओं को वर्णन किया है। द्वितीय अध्याय, संबंधित साहित्य का अध्ययन है| इस अध्याय में शोधार्थी ने अध्ययन के शीर्षक के अनुसार क्रमबद्ध एवं स्पष्ट तरीके से संबंधित साहित्य को प्रस्तुत किया है। तृतीय अध्याय में शोध अध्ययन का प्रारूप, शोध विधि, जनसंख्या, न्यादर्श चयन, शोध उपकरण, प्रदत्तों का संकलन एवं प्रदत्तों का सांख्यिकी स्वरूप को विधिवत वर्णन किया गया है। इसके उपरांत चतुर्थ अध्याय में आंकड़ों का विश्लेषण एवं शोध परिणामों की व्याख्या को प्रस्तुत किया है। पंचम अध्याय में शोध परिणाम, शैक्षिक समस्याओं के निराकरण के लिए सुझाव एवं शैक्षिक निहितार्थ भी दिए हैं। शोध प्रबंध के अंत में संदर्भ ग्रंथ सूची एवं परिशिष्ट को भी क्रमबद्धता से प्रस्तुत किया गया है।

अध्यायों की विषय सामग्री

यह शोध अध्ययन 'उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ मंडल के सरकारी एवं गैरसरकारी प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों का ज्ञान, शिक्षक अभिवृत्ति तथा संसाधनों का तुलनात्मक अध्ययन' को प्रस्तुत करता है। शोध अध्ययन कार्य की आवश्यकता एवं उपयोगिता के अनुसार पांच अध्यायों में दी गई सामग्री उपयुक्त प्रतीत होती है।

प्राथमिक एवं द्वितीय स्रोतों का उपयोग

प्रस्तुत शोध प्रबंध को शोधार्थी ने समय और साधनों की उपलब्धता को ध्यान में रखकर पूर्ण किया है। इस अध्ययन में शोधार्थी ने 'उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ मंडल के सरकारी एवं गैरसरकारी प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के

...कों का ज्ञान, शिक्षक अभिवृत्ति तथा संसाधनों का तुलनात्मक अध्ययन' हेतु वर्णात्मक शोध विधि के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का उपयोग किया है। शोधार्थी ने जनसंख्या के रूप में कुमाऊँ के सभी 6 जिलों (नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर, पिथौरागढ़, चम्पावत, उधमसिंहनगर) के सरकारी एवं गैर सरकारी विद्यालय, शहरी एवं ग्रामीण विद्यालय तथा इनमें कार्यरत शिक्षक-शिक्षकाओं को शोध अध्ययन में सम्मिलित किया है। न्यादर्श तकनीक में शोधार्थी ने सभी विद्यालयों तथा शिक्षक-शिक्षकाओं का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया है। आंकड़ों के संग्रहण करने के लिए शोधार्थी ने शोध उपकरण में दो स्वनिर्मित एवं एक मानकीकृत उपकरणों का उपयोग किया है जिसमें प्रथम, समावेशी शिक्षा के संबंध में शिक्षकों के ज्ञान का परीक्षण करने के लिए स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया है। द्वितीय उपकरण में समावेशी शिक्षा के संबंध में शिक्षकों की अभिवृति का परीक्षण के लिए शिक्षक अभिवृति पैमाना (सूद एवं आनंद, 2011) मानकीकृत उपकरण का उपयोग किया है। तृतीय उपकरण में समावेशी शिक्षा हेतु उपलब्ध संसाधनों के लिए शोधकर्ता द्वारा स्वनिर्मित प्रश्नावली का निर्माण किया गया है। आंकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण हेतु केंद्रीय प्रवृति के माप एवं टी-परीक्षण तकनीक का उपयोग किया गया है।

आंकड़ों का प्रस्तुतीकरण

प्रस्तुत शोध प्रबंध में शोधार्थी ने समस्त आंकड़ों की व्याख्या सारणी के रूप में प्रस्तुत की है तथा आंकड़ों की व्याख्या स्पष्ट रूप से की है।

संदर्भ सूची के संदर्भ में विचार

शोध प्रबंध में संदर्भ ग्रंथ ही शोध की प्रमाणिकता को प्रस्तुत करता है। इस प्रकार शोधार्थी ने संदर्भ सूची में सभी संदर्भ उचित रूप से व्यवस्थित करके इनका वर्णन किया है।

भाषा एवं व्याकरण

शोधार्थी ने अपने इस शोध कार्य में भाषा एवं व्याकरणों का उपयोग उचित प्रकार से किया है । कुछ टंकण से संबंधित त्रुटियां दृष्टिगोचर होती है जो कि नगण्य है उनकों नजरअंदाज किया जा सकता है।

परिणाम एवं उनका महत्व

प्रस्तुत शोध प्रबंध में मुख्य परिणाम यह है कि अल्मोड़ा, बागेश्वर चम्पावत नैनीताल एवं पिथौरागढ़ के सरकारी एवं गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक- शिक्षिकाओं के मध्य समावेशी शिक्षा से संबंधित शिक्षण अभियोग्यता में सार्थक अंतर नहीं पाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी एवं गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाओं में यह समस्या लगभग समान रूप से व्याप्त थी। उधमसिंहनगर जनपद एवं कुमाऊँ मण्डल के सरकारी की अपेक्षा गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षिकाएं इस समस्या से अधिक प्रभावित पाए गए। इस

शोध अध्ययन कुमाऊँ मण्डल के सरकारी एवं गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक- शिक्षिकाओं तथा शहरी एवं ग्रामीण शिक्षक- शिक्षिकाओं के मध्य समावेशी शिक्षा के ज्ञान के स्तर को प्रस्तुत करता है।

संस्तुति

शोधार्थी ने शोध कार्य के लिए एक अच्छे क्षेत्र का चयन किया है। इस शोध अध्ययन के माध्यम से अध्ययनकर्ताओं को उत्तराखण्ड राज्य के कुमाऊँ मण्डल के सरकारी एवं गैर-सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति की स्थिति को समझने में सहायता होगी। शोधार्थी का शोध विषय शैक्षिक जगत में एक महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करता है। समसामयिक समय में समावेशी शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। समावेशी शिक्षा से संबंधित शिक्षण अभियोग्यता, सूचना एवं संप्रेषण तकनीक के उपयोग में दक्षता, विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के शिक्षण हेतु पाठ्य सामग्री के बोध एवं विशेष आवश्यकता वाले छात्रों से संबंधित ज्ञान इन समावेशी शिक्षा की विशेषताओं के प्रति शिक्षकों की अभिवृत्ति सकारात्मक होनी चाहिए। शोधार्थी द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है। अत: अधोहस्ताक्षरकर्ता मौखिक परीक्षा की सफलता के पश्चात् उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी, नैनीताल, उत्तराखण्ड से शिक्षाशास्त्र विषय में श्री नीरज कांडपाल को पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान करने की संस्तुति करते हैं।

परीक्षक के हस्ताक्षर

प्रो. मनोज कुमार सक्सेना
अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष
शिक्षा स्कूल
हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय
धौलाधार परिसर-I धर्मशाला-176215 (हिमाचल प्रदेश)

UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY.
HALDWANI, NAINITAL

The report should be sent (in the sealed envelope) to the Exam Controller, Uttarakhand Open University, Teen pani Bypass Road, Haldwani (Nainital) -263139.

UOU/Research/Education /2024/01 **DATE: 25/04/2024**

PROFORMA FOR THE WRITING Ph. D. THESIS REPORT

1- Name of the Candidate **Neeraj Kandpal** , Registration No. 13041017".
2- Subject: **Education**
3- Name of the Doctorate Degree: Ph. D.
4- Title of thesis : topic **"उत्तराखण्ड राज्य के कुमॉउ मंडल के सरकारी एवं गैर सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में समावेशी शिक्षा के प्रति शिक्षकों का ज्ञान, शिक्षण अभिवृत्ति तथा संसाधनों का तुलनात्मक अध्ययन "**
5. Name of the examiner with full postal address **Prof. Yashpal Singh, Dept. of Education, MJPRU Bareilly, UP, Mobil no-9412544134**

Note – Under the ordinance relating to Doctorate Degree a thesis shall comply with the following conditions and the examiners are requested that in case they approve of a thesis for the degree, is should be definitely mentioned in the report that the thesis complies with these requirements.

✓ **(a)** It must be a piece of research work characterized either by the discovery of facts or by a fresh approach towards the interpretation of facts or theories. In either case it should evince the candidate's capacity for critical examination and sound judgment.

✓ **(b)** It shall be satisfactory in point of language and presentation of subject matter. The examiners will also indicate whether the thesis is suitable for publication in its present form with or without amendments.

IMPORTANT

The Examiner is requested to recommend definitely weather.

✓ (a) The candidate is admitted to the degree.

Or

(b) The candidate should improve and resubmit the thesis. ✗

Or

(c) The thesis should be rejected. ✗

REPORT

Dated 23.05.2024

[signature] 23/05/24
(Signature of the Examiner)

(If necessary blank sheets may be added to complete the report)

P.T.O.

Report

After going through the thesis, I am of the opinion that:

1. The topic is new, relevant and appropriate.
2. The language of the thesis is Hindi.
3. The first chapter introduces the problem, defines the variables under study, formulates hypotheses & delimits the study. The work done is satisfactory.
4. The second chapter presents review of the related literature. The review is up-to-date and satisfactory.
5. The third chapter describes the method employed and detailed design of the study. It includes design, method, population, sampling, sample, tools, data-collection & statistical treatment. The work is as per the needs of the research topic.
6. The fourth chapter deals with analysis and interpretation of the data. The approach and execution are satisfactory.
7. The fifth and final chapter presents the findings of the study, educational implications, and suggestions for future research. The presentation is satisfactory.
8. Chapters are followed appropriately by bibliography, references, tools, published work, conference participation certificates, plagiarism certificate, pre-submission certificate and other papers as appences.

Overall, the research work is appropriate, relevant, useful & contributory to the existing knowledge in the field.

It is recommended that "Ph.D. degree in Education be granted to the candidate, i.e., Mr. Neeraj Kandpal."

[signature]
23/5/24
(Prof. Yash Pal Singh)